doubtnut
India's Number 1 Education App

ACCOUNTS

NCERT - NCERT अकाउंटेंसी(HINDI)

अपूर्ण अभिलेखों से खाते

उदाहरण

1. श्री मेहता ने 01 अप्रैल 2016 को 50,000 रुपये की पूँजी लगाकर तैयार वस्त्र का व्यापार आरम्भ किया तथा अपनी पुस्तकों को द्विप्रविष्टि प्रणाली के अंतर्गत नहीं रखा। वर्ष के

दौरान 15,000 रूपये की अतिरिक्त पूँजी व्यापार में निवेश की गई । अपने निजी उपयोग के लिए 10,000 रु. का आहरण किया। 31 मार्च 2017 को उसकी स्थिति निम्न प्रकार है।

कुल लेनदार 90,000 रु., कुल देनदार 1,25,600 रु., रहतियां 24,750 रु., बैंक रोकड़ 24,980 रु. अवस्था विवरण विधि के द्वारा श्री मेहता के व्यापार का वर्ष के दौरान लाभ अथवा हानि की गणना करें

उत्तर देखें

2. श्रीमती वन्दना एक छोटी छपाई प्रेस चलाती है। वह केवल वही अभिलेख तैयार करती है जो व्यवसाय को सुचारू रूप से

चलाने के लिए आवश्यक है। 1 अप्रैल 2016 को उनकी परिसंपत्तियों तथा देयताओं संबंधी सूचनाएँ इस प्रकार थीं: छपाई प्रेस 5,00,000 रु., भवन 2,00,000 रु. स्टॉक 50,000 रु. , बैंकस्थ रोकड़ 65,600 रु., हस्तस्थ रोकड़ 7,980 रु., ग्राहकों से देय राशि 20,350 रु., लेनदारों का देय राशि 75,340 रु. बकाया मजदूरी 5,000 रु. व्यक्तिगत व्ययों की पूर्ति हेतु वह प्रतिमाह 8,000 रु. आहरित करती है, लेखा वर्ष के दौरान उनके द्वारा 15,000 रु. के अतिरिक्त पूँजी लगाई। 31 मार्च 2017 को उनकी स्थिति इस प्रकार थी। प्रेस 5,25,000 रु., भवन 2,00,000 रु., स्टॉक 55,000 रु., बैंकस्थ रोकड़ 40,380 रु., हस्तस्थ रोकड़ 15,340, ग्राहकों से देय राशि 17,210 रु., लेनदारों को देय राशि 65,680 रु.।

उत्तर देखें

3. निम्न सुचनाओ द्वारा 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले के लिए श्री अमित की कुल क्रय और कुल विक्रय की गणना करे

कुल	राशि (रु.)
10 अप्रैल 2016 को कुल देनदार	40,000
01 अप्रैल 2016 को लेनदार	50,000
01 अप्रैल 2016 को प्राप्य विपत्र	30,000
01 अप्रैल 2016 देय विपत्र	45,000
बट्टा प्राप्त	5,000
डूबत ऋण	2,000
विक्रय वापसी	4,000
बट्टा प्रदत्त	3,000
नकद विक्रय	10,000
नकद क्रय	8,000
31 मार्च 2017 को कल देनदार	80,000
देनदारों से प्राप्त राशि	25,000
लेनदारों को नकद भुगतान	80,000
प्राप्य विपत्र का भुगतान	40,000
31 मार्च 2017 को कुल लेनदार	40,000
31 मार्च 2017 को देय विपत्र	50,000
31 मार्च 2017 को प्राप्य विपत्र	35,000

उत्तर देखें

4. सुधा से प्राप्त सूचनाओं के द्वारा शुद्ध विक्रय की गणना करे :

सुधा से प्राप्त सूचनाओं के द्वारा शुद्ध विक्रय की गणना करें:	रुपये
1 अप्रैल 2016 को देनदार	65,000
31 मार्च 2017 को देनदार	50,000
1 अप्रैल 2016 को प्राप्य विपत्र का आरंभिक शेष	23,000
31 मार्च 2017 को प्राप्य विपत्र का अंतिम शेष	29,000
विपत्र का अन्तिम शेष देनदारों से नकद प्राप्ती	3,02,000
प्रदत्त बट्टा	8,000
प्राप्य विपत्र से नकद प्राप्ती	21,000
डूबत चरण	14,000
प्राप्य विपत्र (अनादृत)	20,000
नकद विक्रय	2,25,000
विक्रय वापसी	17,000

उत्तर देखें

5. ओमप्रकाश की लेखा पुस्तकें द्वि-अंकन बही खाता प्रणाली पर आधारित तुलन-पत्र नहीं है। 31 मार्च, 2017 को उसके प्रलेखों से उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर लाभ-हानि खाता

और तुलन-पत्र तैयार कीजिए। धुलाई उपकरण पर 10 % की दर से ह्रास लगाएं।

रोकड़ पुस्तक का सारांश

नाम जमा

प्राप्तियां	राशि (रु.)	भुगतान	राशि (रु.)
आरंभिक शेष आ/ला	8,000	नकद क्रय	14,000
नकद विक्रय	40,000	लेनदारों को भुगतान	20,000
देनदारों से प्राप्तियाँ	30,000	विविध व्यय	6,000
		भाड़ा	2,000
		आहरण	8,000
		शेष आ/ले	28,000
	78,000		78,000

अन्य सूचनाएँ:

31 मार्च, 2017

	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017
देनदार	9,000	12,000
लेनदार	14,400	6,800
सामग्री का स्टॉक	10,000	16,000
धुलाई उपकरण	40,000	40,000
फर्नीचर	3,000	3,000
वर्ष के दौरान बट्टा दिया	-	1,400
वर्ष के दौरान प्राप्त बट्टा		1,700

उत्तर देखें

6. श्रीमति सुरभि ने 2,500 रूपये मूल्य के माल का निजी प्रयोग किया जो कि पुस्तकों में दर्ज नहीं हुआ। फरनीचर पर

10 % तथा मशीनरी पर 20 % प्रतिवर्ष का रस लगाया। 31 मार्च 2017 को देनदार 70,000 और लेनदार 35,000। इस तिथि को व्यापारिक स्टॉक 25,000 रुपये है।

उत्तर देखें

7. श्री बहादुर के अपूर्ण लेखो से अंतिम खाते तैयार करे, साथ ही देनदारों पर 5 % की दर से संदिग्ध ऋणों के लिए परवदान बनाये और मोटर कार 20 % की दर से ह्रास

लगाएँ

(क) अप्रैल 2016 को तुलन-पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
पूँजी	92,500	मोटर कार	71,700
देय विपत्र	32,800	स्टॉक	51,500
लेनदार	84,200	देनदार	49,500
प्राप्य विपत्र	24,400		
हस्तस्थ रोकड़	12,400		
	2,09,500		2,09,500

(ख) वर्ष के दौरान रोकड़ लेन-देन

विवरण	राशि रु	विवरण	राशि (रु.)
शेष आ/ला	12,400	फर्नीचर	30,000
देनदारों से प्राप्ति	1,15,000	मजदूरी	400
देय विपत्र	14,200	क्रय	40,500
विक्रय	1,03,000	आहरण	24,000
देय विपत्र	30,700	सामान्य व्यय	20,700
		लेनदारों को भुगतान	80,800
		शेष आ/ले	8,500
	2,44,600		2,44,600

(ग) अन्य सूचनाएं

प्राप्य विपत्र	6,300
ग्राहकों को बट्टा दिया	2,300
अपूर्तिकर्त्ता से बट्टा प्राप्त	700
उधार क्रय	29,600
अंतिम रहतिया	41,700
देनदारों का अन्तिम शेष	55,000
देय विपत्र का अंन्तिम शेष	10,200

उत्तर देखें

8. दिनेश अपने व्यापारिक खाते व्यवस्थित ढंग से नहीं रखता है। उसके द्वारा निम्न सूचनाएँ प्रदान की गई है

1. परिसम्पत्तियाँ एवं देयतायें

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
विविध देनदार	45,000	48,600
विविध लेनदार	24,000	?
रोकड़	4,500	?
फर्नीचर एवं फिक्सचर	15,000	?
स्टॉक	25,000	?
मोटर वेन	16,000	?

2. वर्ष के दौरान लेन-देन

देनदारों से नकद प्राप्ति	80,000
देनदारों को दिया गया बट्टा	1,400
अशोध्य ऋण को अपलिखित किया	1,800
लेनदारों को नकद भुगतान	63,000
लेनदारों से प्राप्त बट्टा	1,000
विक्रय वापसी	3,000
क्रय वापसी	2,000
व्ययों का भुगतान	6,000
आहरण	5,000
किराये का भुगतान	2,500

बकाया व्यय 1,200 रूपये, फर्नीचर पर 10% व मोटर कार पर 5 % ह्रास लगायें। दिनेश ने बताया कि वह माल का विक्रय लागत पर जमा 40 प्रतिशत पर किया करता है। देनदारों पर 5 % का प्रावधान किया गया। 31 मार्च 2017 को

उसका व्यापारिक एवं लाभ-हानि खाता और तुलन-पत्र बनायें।

उत्तर देखें

स्वयं जाँचिये।

1. अपूर्ण अभिलेखन विधि पुस्त-पालनः

A. वैज्ञानिक है

B. अवैज्ञानिक है

C. अव्यवस्थित है

D. दोनों (ख) और (ग) हैं

Answer:

उत्तर देखें

2. आरम्भिक पूँजी का निर्धारण खाता बना कर होता है।

A. कुल देनदार खाता

B. कुल लेनदार खाता

C. रोकड़ खाता

D. आरम्भिक अवस्था विवरण

Answer:

उत्तर देखें

3. वर्ष के दौरान उधार क्रय की गणना किस खाते को बना कर की जाती है।

A. कुल लेनदार खाता

B. कुल देनदार खाता

C. रोकड़ खाता

D. आरंभिक अवस्था विवरण

Answer:

उत्तर देखें

4. यदि आरम्भिक पूँजी 60.000 रूपये, आहरण 5,000 रूपये, सत्र के अतिरिक्त पूँजी 10,000 रुपये, अंतिम पूँजी 90,000 रूपये है तो वर्ष के दौरान कमाया गया लाभ होगा:

A. 20,000 रुपये

B. 25,000 रुपये

C. 30,000 रुपये

D. 40,000 रूपये

Answer:

उत्तर देखें

स्वयं जाँचिये Ii

1. उधार विक्रय की गणना . . . . . खाते की शेष राशि से की जाती है।

उत्तर देखें

2. . . . . . पर . . . . . की अधिक्यता किसी समयावधि पर होने वाली हानि से है।

उत्तर देखें

3. . . . . . के लिए अंतिम पूँजी का समायोजन . . . . . को घटाकर व . . . . . को जोड़ पर किया जाता है।

उत्तर देखें

4. अपूर्ण खातों का प्रयोग . . . . . द्वारा किया जाता है।

उत्तर देखें

अभ्यास के लिए संख्यात्मक प्रश्न

1. अवस्था विवरण विधि द्वारा लाभ व हानि का निर्धारण

नीचे दी गई सूचनाओं से लाभ व हानि विवरण बनाइये।

`

(##NCERT_HIN_ACC_XI_P2_C11_E02_011_Q01.png"

width="80%">

उत्तर देखें

2. श्री मनवीर ने 01 अप्रैल 2016 को 4,50,000 रुपये की पँजी से व्यापार प्रारंभ किया। 31 मार्च 2017 को उनकी स्थिति निम्न है:

`

(##NCERT_HIN_ACC_XI_P2_C11_E02_012_Q01.png" width="80%">

इस तिथि को मनवीर ने आपने मित्र से 45,000 रुपये उधार लिये। घरेल व्यय के लिये 8,000 रुपये प्रति मास निकाले। 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिये लाभ व हानि की निर्धारण करें।

उत्तर देखें

3. नीचे दी गई सूचनाओं के आधार पर वर्ष का लाभ निर्धारण करें:

वर्ष के आरंभ में पूँजी	70,000
वर्ष के दौरान अतिरिक्त पूँजी लगायी	17,500
स्टॉक	59,500
विविध देनदार	25,900
व्यपारिक परिसर	8,600
मशीनरी	2,100
विविध लेनदार	33,400
वर्ष के दौरान आहरण	26,400

वीडियो उत्तर देखें

4. निम्न सूचनाओं से आरंभिक पूँजी की गणना करें।

वर्ष के अंत में पूँजी	4,00,000
वर्ष के दौरान आहरण	60,000
वर्ष के दौरान नई पूँजी लगायी	1,00,000
चालू वर्ष का लाभ	80,000

वीडियो उत्तर देखें

5. नीचे दी गई सूचनाओं के आधार पर अंतिम पूँजी अंतिम पूँजी की गणना करें:

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
लेनदार	5,000	30,000
देय विपत्र	10,000	-
ऋण	-	50,000
प्राप्य विपत्र	30,000	50,000
स्टॉल	5,000	30,000
रोकड़	2,000	20,000

उत्तर देखें

6. श्रीमती अनु ने 01, अक्टूबर 2016 को 4,00,000 रुपये की पूँजी से व्यापार आरंभ किया।आपने मित्र से 1,00,000 रु. का ऋण 10 प्रतिशत वार्षिक की दर से (ब्याज का भुगतान हुआ) व्यापार के लिये लिया और 75,000 रु. की अतिरिक्त

पूँजी लगाई। 31 मार्च, 2017 की स्थिति इस प्रकार है:

	रुपये
रोकड़	3,00,000
स्टॉक	4,70,000
देनदार	3,50,000
लेनदार	3,00,000

वर्ष में हर मास 8,000 का आहरण किया वर्ष के लिये लाभ व हानि की गणना करें और कार्य वही को स्पष्ट दिखायें।

उत्तर देखें

7. श्री अरनव ने अपने व्यवसाय के उचित प्रलेखे नहीं रखे। उपलब्ध निम्न सूचनाओं से वर्ष में लाभ व हानि का विवरण तैयार करें:

	रुपये
वर्ष के आरम्भ में स्वामी की समता	15,00,000
प्राप्य विपत्र	60,000
हस्तस्थ रोकड़	80,000
फर्नीचर	9,00,000
भवन	10,00,000
लेनदार	6,00,000
व्यापारिक स्टॉक	20,00,00
अतिरिक्त पूँजी लगाई	3,20,000
वर्ष के दौरान आहरण	80,000

वर्ष के आरम्भ व अन्त में अवस्था विवरण का निर्धारण एवं लाभ व हानि की गणना

उत्तर देखें

8. श्री अकशत जो अपनी पुस्तकों को एकल प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार रखता है, निम्न सूचनाएं दी गई है।

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
हस्तस्थ रोकड़	1,000	1,500
बैंक में रोकड़	15,000	10,000
स्टॉक	1,00,000	95,000
देनदार	42,500	70,000
व्यापारिक परिसर	75,000	1,35,000
फर्नीचर	9,000	7,500
लेनदार	66,000	87,000
देय विपत्र	44,000	58,000

वह वर्ष के दौरान 45,000 रूपये का आहरण किया एवं 25,000 रु. अतिरिक्त पूँजी लगाई। व्यापार के लाभ व हानि की गणना करें।

उत्तर देखें

9. गोपाल नियमित रूप से लेखा पुस्तकों को नहीं रखता। निम्न सूचनाएं दी गई हैं:

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
	रुपये	रुपये
हस्तस्थ रोकड़	18,000	12,000
बैंक में रोकड़	1,500	2,000
व्यापारिक स्टॉक	80,000	90,000
विविध लेनदार	36,000	60,000
विविध लेनदार	60,000	40,000
ऋण	10,000	8,000
कार्यालय उपकरण	25,000	30,000
भूमि व भवन	30,000	20,000
फर्नीचर	10,000	10,000

वर्ष के दौरान 20,000 रुपये लाभ एवं 12,000 रुपये का व्यापार से आहरण किया। दी गई सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये।

उत्तर देखें

10. श्री मुनीश अपूर्ण लेखों से अपनी लेखा पुस्तके रखते है उनकी पुस्तके निम्न सूचनाएं देती है।

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
	रुपये	रुपये
रोकड़	1,200	1,600
प्राप्य विपत्र	-	2,400
देनदार	16,800	27,200
स्टॉक	22,400	24,400
विनियोग	-	8,000
फर्नीचर	7,500	8,000
लेनदार	14,000	15,200

वह अपने निजी व्यय के लिये 300 रुपये प्रति माह का आहरण करते हैं। वह अपने विनियोग 16,000 रुपये को 2 प्रतिशत अधिलाभ पर विक्रय करके राशि व्यापार में लगाते हैं।

उत्तर देखें

11. श्री गिरधारी लाल जी पूर्ण लेखांकन प्रणाली का पालन नहीं करते हैं 1 अप्रैल 2016 को उनके शेष इस प्रकार हैं:

दायित्व	राशि (रुपये)	परिसम्पतियाँ	राशि (रुपये)
विविध लेनदार	35000	हस्तस्थ रोकड़	5,000
देय विपत्र	15,000	बैंक में रोकड़	20,000
पूँजी	40,000	विविध देनदार	18,000
		स्टॉक	22,000
		फर्नीचर	8,000
		संयन्त्र	17,000
	90,000		90,000

वर्ष के अन्त में उनकी स्थिति:

	रुपये
हस्तस्थ रोकड़	7,000
स्टॉक	8,600
देनदार	23,800
फर्नीचर	15,000
संयन्त्र	20,350
देय विपत्र	20,200
लेनदार	15,000

वह 500 रुपये प्रति माह का आहरण करते हैं। इसमें से 1,500 रुपये व्यापार के लिये व्यय करते हैं। लाभ व हानि का विवरण बनाइये।

उत्तर देखें

12. श्री अशोक अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं। उनकी पुस्तकों से निम्न सूचनाएँ उपलब्ध हैं:

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
	रुपये	रुपये
विविध लेनदार	45,000	93,000
पत्नी से ऋण	66,000	57,000
विविध देनदार	22,500	-
भूमि व भवन	89,600	90,000
हस्तस्थ रोकड़	7,500	8,700
बैंक अधिविकर्ष	25,000	-
फर्नीचर	1,300	1,300
रहतिया	34,000	25,000

वर्ष के दौरान श्री अशोक ने अपनी निजी कार 50,000 रुपये में विक्रय करके राशि व्यापार में विनियोग कर दी, 31 अक्टूबर 2016 तक व्यापार से 1,500 रुपये प्रति मास आहरण किया एवं उसके बाद 4,500 रुपये प्रति माह का आहरण किया। आप 31 मार्च 2017 को लाभ व हानि एवं विवरण तैयार करें।

उत्तर देखें

13. कृष्णा कुलकर्णी अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं 31 मार्च 2015 को निम्न सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये:

	01 अप्रैल 2016 (रुपये)	31 मार्च 2017 (रुपये)
हस्तस्थ रोकड़	10,000	36,000
देनदार	20,000	80,000
लेनदार	10,000	46,000
प्राप्य विपत्र	10,000	24,000
देय विपत्र	4,000	42,000
कार	-	80,000
स्टॉक	40,000	30,000
फर्नीचर	8,000	48,000
विनियोग	40,000	50,000
बैंक शेष	1,00,000	90,000

निम्न समायोजन करें:

कृष्णा ने निजी उपयोग के लिये 5,000 प्रति मास का आहरण किया।

उत्तर देखें

14. कृष्णा कुलकर्णी अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं 31 मार्च 2015 को निम्न सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये:

	01 अप्रैल 2016 (रुपये)	31 मार्च 2017 (रुपये)
हस्तस्थ रोकड़	10,000	36,000
देनदार	20,000	80,000
लेनदार	10,000	46,000
प्राप्य विपत्र	10,000	24,000
देय विपत्र	4,000	42,000
कार	-	80,000
स्टॉक	40,000	30,000
फर्नीचर	8,000	48,000
विनियोग	40,000	50,000
बैंक शेष	1,00,000	90,000

निम्न समायोजन करें:

कार पर 5 % की दर और एक फर्नीचर पर 10 % दर से ह्रास लगाये।

उत्तर देखें

15. कृष्णा कुलकर्णी अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं 31 मार्च 2015 को निम्न सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये:

	01 अप्रैल 2016 (रुपये)	31 मार्च 2017 (रुपये)
हस्तस्थ रोकड़	10,000	36,000
देनदार	20,000	80,000
लेनदार	10.000	46.000
प्राप्य विपत्र	10,000	24,000
देय विपत्र	4,000	42,000
कार	-	80,000
स्टॉक	40,000	30,000
फर्नीचर	8,000	48,000
विनियोग	40,000	50,000
बैंक शेष	1,00,000	90,000

निम्न समायोजन करें:

बकाया किराया 6,000 रुपये।

उत्तर देखें

16. कृष्णा कुलकर्णी अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं 31 मार्च 2015 को निम्न सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये:

	01 अप्रैल 2016 (रुपये)	31 मार्च 2017 (रुपये)
हस्तस्थ रोकड़	10,000	36,000
देनदार	20,000	80,000
लेनदार	10,000	46,000
प्राप्य विपत्र	10,000	24,000
देय विपत्र	4,000	42,000
कार	-	80,000
स्टॉक	40,000	30,000
फर्नीचर	8,000	48,000
विनियोग	40,000	50,000
बैंक शेष	1,00,000	90,000

निम्न समायोजन करें:

वर्ष के दौरान 30,000 रुपये नई पूँजी लगाई।

उत्तर देखें

17. मैसर्स सानया स्पोटस इक्युपमेंटस नियमित प्रलेख नहीं रखता। 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये, निम्न सूचनओं के आधार पर लाभ व हानि एवं तुलन-पत्र तैयार करें:

	1 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
	रुपये	रुपये
हस्तस्थ रोकड़	6,000	24,000
बैंक अधिविकर्ष	30,000	-
स्टॉक	50,000	80,000
विविध लेनदार	26,000	40,000
विविध देनदार	60,000	1,40,000
देय विपत्र	6,000	12,000
फर्नीचर	40,000	60,000
प्राप्य विपत्र	8,000	28,000
मशीनरी	50,000	1,00,000
विनियोग	30,000	80,000

निजी उपयोग के लिये 10,000 रुपये प्रति माह का आहरण। वर्ष का दौरान 2,00,000 रु. की नई पूँजी का विनियोग। डूबत ऋण 2,000 रुपये एवं देनदार पर 5 % का प्रावधान करें, अदत्त वेतन 2,400 रुपये, पूर्वदत्त बीमा 700 रुपये,

फर्नीचर एवं मशीन पर 10% प्रति वर्ष की दर से बस लगायें।

उत्तर देखें

18. निम्नलिखित सूचनाओं से लेनदार की राशि की गणना करें:

	रुपये
31 मार्च 2017 को विविध लेनदार	1,80,425
प्राप्त बट्टा	26,000
बट्टा दिया	24,000
क्रय वापसी	37,200
विक्रय वापसी	32,200
स्वीकृत विपत्र	1,99,000
विपत्र का लेनदारों को हस्तांतरण	26,000
01 अप्रैल 2016 को लेनदार	2,09,050
कुल क्रय	8,97,000
नकद क्रय	1,40,000

वीडियो उत्तर देखें

19. निम्न से उधार क्रय ज्ञात करें।

नकद क्रय	1,40,000
01 अप्रैल 2016 को लेनदारों का शेष	45,000
31 मार्च 2017 को लेनदारों का शेष	36,000
लेनदारों को रोकड़ भुगतान	1,80,000
लेनदारों का चेक से भुगतान	60,000
रोकड़ क्रय	75,000
लेनदारों से प्राप्त बट्टा	5,400
बट्टा दिया	5,000
लेनदारों को देय विपत्र	12,750
क्रय वापसी	7,500
देय विपत्र (अनादृत)	3,000
प्राप्य विपत्र का लेनदारों को हस्तांतरण	4,500
लेनदारों को दिये गये प्राप्य विपत्र अनादृत	1,800
विक्रय वापसी	3,700

उत्तर देखें

20. निम्न सूचनाओं से कुल क्रय की गणना करें:

	रुपये
01 अप्रैल 2016 को लेनदार	30,000
31 मार्च 2017 को लेनदार	20,000
देय विपत्र का आरंभिक शेष	25,000
देय विपत्र का अंतिम शेष	35,000

लेनदारों को रोकड़ भुगतान	1,51,000
विपत्र का भुगतान	44,500
नकद (रोकड़) क्रय	1,29,000
क्रय वापसी	6,000

वीडियो उत्तर देखें

21. निम्न सूचनाएं दी गई हैं:

	रुपये
आरंभिक लेनदार	60,000
लेनदारों को रोकड़ भुगतान	30,000
अंतिम लेनदार	36,000
विक्रय वापसी	13,000
परिपक्व विपत्र	27,000
विपत्र अनादृत	8,000
क्रय वापसी	12,000
बट्टा दिया	5,000

वर्ष के दौरान उधार क्रय की गणना करें।

वीडियो उत्तर देखें

22. निम्न में से वर्ष के दौरान स्वीकृत विपत्र की राशि की गणना करें:

01 अप्रैल 2016 को देय विपत्र	1,80,000
31 मार्च 2017 को देय विपत्र	2,20,000
वर्ष के दौरान अनादृत देय विपत्र	28,000
वर्ष के दौरान परिपक्व देय विपत्र	50,000

वीडियो उत्तर देखें

23. नीचे दी गई सूचनाओं से वर्ष के दौरान परिपक्व विपत्र की राशि ज्ञात करें:

देय विपत्र अनादृत	37,000
देय विपत्र का अंतिम शेष	85,000
देय विपत्र का आरंभिक शेष	70,000
स्वीकृत देय विपत्र	90,000
चेक अनादृत	23,000

वीडियो उत्तर देखें

24. निम्न से देय खाते बनायें एवं अज्ञात संख्या को ज्ञात करें:

स्वीकृत विपत्र	1,05,000
प्राप्त बट्टा	17,000
क्रय वापसी	9,000
विक्रय वापसी	12,000

देय खातों को रोकड़ भुगतान	50,000
प्राप्य विपत्र का लेनदारों को हस्तांतरण	45,000
अनादृत विपत्र	17,000
डूबत ऋण	14,000
देय खातों का शेष (अंतिम)	85,000
उधार क्रय	2,15,000

वीडियो उत्तर देखें

25. वर्ष के दौरान प्राप्त बिल की राशि की गणना करें:

प्राप्य विपत्रों का आरंभिक शेष	75,000
अनादृत विपत्र	25,000
प्राप्त विल (परिपक्व)	1,30,000
प्राप्य विपत्रों का लेनदारों को हस्तांतरण	15,000
प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	65,000

वीडियो उत्तर देखें

26. निम्न सूचनाओं से अनादृत प्राप्य विपत्र की राशि को गणना करें:

प्राप्य विपत्रों का आरंभिक शेष	1,20,000
प्राप्त विपत्रों (परिपक्व)	1,85,000
प्राप्य विपत्रों को हस्तांतरण	22,800
प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	50,700
प्राप्त प्राप्य विपत्र	1,50,000

वीडियो उत्तर देखें

27. नीचे दिये गये विवरण से उधार विक्रय व कुल विक्रय ज्ञात करें:

	(रुपये)
आरंभिक देनदार	45,000
अंतिम देनदार	56,000
बट्टा दिया	2,500
विक्रय वापसी	8,500
अप्राप्य राशि	4,000
प्राप्त प्राप्य विपत्र	12,000
अनादृत प्राप्य विपत्र	3,000
अनादृत चैक	7,700
(नकद) रोकड़ विक्रय	80,000
देनदारों से प्राप्त रोकड़	2,30,000
देनदारों से प्राप्त चैक	25,000

वीडियो उत्तर देखें

28. निम्न सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले में प्राप्य विपत्र खाता एवं कुल देनदार खाता बनायें

	रुपये
लेनदारों को आरंभिक शेष	1,80,000
प्राप्य विपत्र का आरंभिक शेष	55,000
वर्ष के दौरान रोकड़ विक्रय	95,000
वर्ष के दौरान उधार विक्रय	14,50,000
विक्रय वापसी	78,000
देनदारों से प्राप्त रोकड़	10,25,000
देनदारों को बट्टा दिया	55,000
प्राप्य विपत्रों का लेनदारों को बेचान	60,000
प्राप्य रोकड़ (परिपक्व विपत्र)	80,500
अप्राप्य राशि	10,000
31 मार्च 2017 को प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	75,500

वीडियो उत्तर देखें

29. संबंधित खाता बनाते हुये लुप्त राशि को ज्ञात करें।

देनदारों का आरंभिक शेष	14,00,000
प्राप्य विपत्रों का आरंभिक शेष	7,00,000
प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	3,50,000
चैक अनादृत	27,000
लेनदारों से प्राप्त रोकड़	10,75,000
चैक प्राप्त करें एवं बैंक में जमा करें	8,25,000
बट्टा दिया	37,500
अप्राप्य राशि	17,500
विक्रय वापसी	28,000
ग्राहकों से प्राप्त प्राप्य विपत्र	1,05,000
परिपक्व प्राप्य विपत्र	2,80,000
छूट पर विपत्र	65,000
लेनदारों को विपत्र का हस्तातंरण	70,000

वीडियो उत्तर देखें

30. निम्न सूचनाओं से विविध देनदारों का आरंभिक शेष एवं विविध लेनदारों के अंतिम शेष का निर्धारण करें।

आरंभिक रहतिया	30,000
अंतिम रहतिया	25,000
आरंभिक लेनदार	50,000
अंतिम देनदार	75,000
लेनदारों से प्राप्त बट्टा	1,500
ग्राहकों को बट्टा दिया	2,500

लेनदारों को रोकड़ भुगतान	1,35,000
वर्ष के दौरान स्वीकृत देय विपत्र	30,000
वर्ष के दौरान प्राप्त प्राप्य विपत्र	75,000
ग्राहकों से रोकड़ प्राप्ति	2,20,000
आनदृत प्राप्य विपत्र	3,500
क्रय	2,95,000

विक्रय मूल्य पर सकल लाभ 25 % एवं कुल विक्रय में से 85,000 रूपये नगद विक्रय है

उत्तर देखें

31. श्रीमती भावना एकल प्रविष्टि प्रणाली से अपनी पुस्तकें रखती हैं। 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये उनके व्यापार के अंतिम खाते तैयार करें। इस सत्र से रोकड़

प्राप्ति व रोकड़ भुगतान से सम्भावित प्रलेखे का विवरण निम्न है

रोकड़ पुस्तक सारांश

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि रु	भुगतान	राशि रु
रोकड़ का आरंभिक शेष	12,000	लेनदारों को भुगतान	53,000
अतिरिक्त पूँजी	20,000	व्यापारिक व्यय	12,000
देनदारों से प्राप्तियाँ	1,20,000	मजदूरी का भुगतान	30,000
		आहरण	15,000
		31 मार्च 2017 को बैंक शेष	35,000
		हस्तस्थ रोकड़	7,000
	1,52,000		1,52,000

अन्य सूचनाएँ

	01 अप्रैल 2016	31 मार्च 2017
देनदार	55,000	85,000
लेनदार	22,000	29,000
स्टॉक	35,000	70,000
सयंत्र	10,00,000	1,00,000
मशीनरी	50,000	50,000
भूमि व भवन	2,50,000	2,50,000
विनियोग	20,000	20,000

समस्त विक्रय और क्रय उधार पर किये जाते हैं। सयंत्र और भवन पर ह्यस 10 % से लगाएँ तथा मशीनरी पर हास 5 % से लगाएँ। संदिग्ध ऋणों पर प्रावधान 5 % की दर से लगाएँ।

उत्तर देखें